HOSTEL FOR THE STUDENTS or DELHI POLYTECHNIC

•460. SHRI SHIVA NAND RAMAUL; Will the Minister of EDUCATION be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the students of the Delhi Polytechnic are not being permitted accommodation in the Polytechnic Hostel even though accommodation is available there;

(b) whether it is also a fact that the office of the Chief Commissioner, Delhi is proposed to be housed in the said building; and

(c) if so, what arrangements are proposed to be made to provide boarding and lodging facilities to the students of the Polytechnic coming from outside Delhi?

THE MINISTER or EDUCATION (SHRI M. C. CBAGLA): (a) No, Sir.

(b) No, Sir.

(c) The question does not arise as there is enough hostel accommodation to accommodate students coming from outside Delhi.

SHRI SHIVA NAND RAMAUL; May I know whether it is a fa~t that the part-time students of the Institute have not been permitted accommodation for the last six months when about 100 seats are still lying vacant?

SHRI M. C. CHAGLA: The answer is this. Part-time students could not be accommodated in hostels as they are local students and most of them are full-time employees of the Government. The hostel accommoda'ion is intended for people who come from outside. These are full-time Government servants and the hostel is not meant for them.

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया : क्या यह बात सही है कि पहले ऐसे जो पार्ट-टाइम स्टूडेंट्स थे उनको वहां एकोमोडेशन दी जाती थी और अब पांच, छः मास से यह चीज बन्द कर दी गई है ? अगर यह सही है तो ऐसा क्यों है ?

श्री एम० सी० चागला : जैसा कि मैंने कहा कि जो दिल्ली से बाहर के स्टूडेंट्स आते हैं उनके लिये वह होस्टल है। अब ७५ परसेंट दिल्ली के ही स्टूडेंट्स हैं तो उनके लिये होस्टल में एकोमोडेशन की उतनी जरूरत नहीं है जितनी कि बाहर के जो २५ परसेंट स्टूडेंट्स हैं उनके लिये है। अब जो पार्ट-टाइम स्टूडेंट्स हैं या जो इम्प्लायमेंट में हैं उनके लिये होस्टल की क्या जरूरत है।

MR. CHAIRMAN: His question wa» whether you had given them seats before and you refused them now.

SHRI M. C. CHAGLA: I am not aware of that, Sir.

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया : क्या यह बात सही है कि अभी भी आपके यहां इस होस्टल में एकोमोडेशन है और ये जो पार्ट-टाइम स्टूडेंट्स हैं वे वहां पर एकोमोडेशन चाहते हैं, तो जब एकोमोडेशन है और विद्यार्थी उसे चाहते हैं तब उनको उसे देने में क्या कठिनाई है ?

श्री सभापति : यह तो उन्होंने बता दिया।

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया : उन्होंने बताया कि रीज़न यह है कि बाहर से जो आते हैं उन्हीं को देना चाहते हैं, यह तो ठीक है लेकिन जब जगह खाली है तो फिर इनको क्यों नहीं देते हैं ?

श्री सभापति : यह तो आपकी रिकमें-डशन है लेकिन उन्होंने तो बता दिया है कि इस वजह से नहीं दे रहे हैं।

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में शिक्षा के माध्यम का परिवर्तन

*४६१. श्री ए० बी० वाजपेयी : क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय ने हिन्दी और उर्दू को शिक्षा का माध्यम बनाने का अपना निर्णय बदल दिया है; और

(ख) यदि हां, तो क्या ऐसा केन्द्रीय सरकार के निर्देशानुसार हुआ है ?